इस पुस्तिका में **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।
This Booklet contains **16** printed pages.

CEF–26–II

प्रश्न-पत्र—II / PAPER—II

संस्कृत भाषा परिशिष्ट

SANSKRIT LANGUAGE SUPPLEMENT

भाग IV & V / PART IV & V

Language Code
16

Main Test Booklet Code / मुख्य परीक्षा पुस्तिका कोड
Z

Main Test Booklet No. / मुख्य परीक्षा पुस्तिका संख्या

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।
Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ संख्या 16) पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page No. 16) of this Test Booklet.

संस्कृत में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका की पृष्ठ संख्या 2 व 15 देखें। / For Instructions in Sanskrit, see Page Nos. 2 and 15 of this Booklet.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग—IV (भाषा—I) **या** भाग—V (भाषा—II) **संस्कृत** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I एवं भाग II **या** III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेजी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग—IV व भाग—V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर-पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत Z** है। यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका का संकेत, उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो, तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं तथा प्रत्येक 1 अंक का है :

   भाग—IV : भाषा—I (संस्कृत) (प्रश्न सं० 91–120)
   भाग—V : भाषा—II (संस्कृत) (प्रश्न सं० 121–150)
7. भाग—IV में भाषा—I के लिए 30 प्रश्न और भाग—V में भाषा—II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल संस्कृत भाषा से सम्बन्धित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा—I और/या भाषा—II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) संस्कृत के अलावा है/हैं, तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लें। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन-पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिए।**
8. **परीक्षार्थी भाग—V (भाषा—II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा—I (भाग—IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ़ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर-पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. This Booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part—IV (Language—I) **OR** Part—V (Language—II) in **SANSKRIT** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Part I and Part II **OR** III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part—IV and Part—V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue/Black Ballpoint Pen only** for writing particulars on this page/marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **Z**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Test Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective-type Questions and each carrying 1 mark :

   Part—IV: Language—I (Sanskrit) (Q. Nos. 91–120)
   Part—V : Language—II (Sanskrit) (Q. Nos. 121–150)
7. Part—IV contains 30 questions for Language—I and Part—V contains 30 questions for Language—II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Sanskrit Language have been given. **In case, the language(s) you have opted for as Language—I and/or Language—II is/are language(s) other than Sanskrit, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part—V (Language—II) in a language other than the one chosen as Language—I (Part—IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Name of the Candidate (in Capitals) : ____________________

अनुक्रमांक (अंकों में)/Roll Number (in figures) : ____________________

(शब्दों में)/(in words) : ____________________

परीक्षा-केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Centre of Examination (in Capitals) : ____________________

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :
Candidate's Signature : ____________________

निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Invigilator's Signature : ____________________

Facsimile Signature Stamp of Centre Superintendent ____________________

अस्यां पुस्तिकायां 16 पृष्ठानि सन्ति।

CEF–26–II

परीक्षा-पुस्तिका-संकेतकम्

Z

Language Code
16

प्रश्नपत्रम्—II

संस्कृत-भाषा-परिशिष्टम्

भागः IV एवं V

यावन्न कथ्येत तावत् इयं परीक्षा-पुस्तिका न अनावरणीया।

अस्याः परीक्षा-पुस्तिकायाः पृष्ठावरणयोः (पृष्ठे 15 एवं 16) प्रदत्ताः निर्देशाः ध्यानपूर्वकं पठनीयाः।

परीक्षार्थिभ्यो निर्देशाः —

1. इयं पुस्तिका मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायाः एकं परिशिष्टं तेभ्यः परीक्षार्थिभ्यः अस्ति ये IV भागस्य (भाषा I) **अथवा** V भागस्य (भाषा II) परीक्षां **संस्कृत**भाषया दातुमिच्छन्ति, **न तु द्वयोः भागयोः**।
2. परीक्षार्थिभिः भाग I, II, III भागानाम् उत्तराणि मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकातः देयानि अपि च IV तथा V भागानाम् उत्तराणि तैः चिताभिः भाषाभिः।
3. आंग्लभाषायां हिन्दीभाषायां च प्रश्नाः मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकायां IV भागे तथा V भागे च प्रदत्ताः। भाषा-परिशिष्टानि भवद्भिः पृथक्तया याचितुं शक्यन्ते।
4. अस्मिन्पृष्ठे च विवरणम् अङ्कयितुम् उत्तर-पत्रे च चिह्नम् अङ्कयितुं **केवलं कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रयोगः अनुमतः।
5. अस्याः भाषा-पुस्तिकायाः संकेतकं **Z** वर्तते। एतच्च निश्चेतव्यं यदस्याः भाषा-परिशिष्ट-पुस्तिकायाः संकेतकम् उत्तर-पत्रस्य **पृष्ठ-2** उपरि प्रकाशितेन संकेतेन साम्यं भजति। एतदपि निश्चेतव्यं यत् मुख्य-परीक्षा-पुस्तिकासंख्या उत्तर-पत्रसंख्या च परस्परं साम्यं भजेते। यदि चात्र किमपि अन्तरमस्ति तदा छात्रेण निरीक्षकमहाभागः सम्प्रार्थनीयः यत्स द्वितीयां भाषा-परिशिष्ट-परीक्षा-पुस्तिकां ददातु।
6. अस्यां परीक्षा-पुस्तिकायां **द्वौ** भागौ स्तः — IV तथा V, एतेषु 60 वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः सन्ति, प्रत्येकं च एकमङ्कं धारयति—

   भागः IV : भाषा I (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 91 तः 120 पर्यन्तम्)

   भागः V : भाषा II (संस्कृतम्) (प्रश्न संख्या 121 तः 150 पर्यन्तम्)
7. IV भाषा I भागे 30 प्रश्नाः, V भाषा II भागे च 30 प्रश्नाः सन्ति। अस्यां च परीक्षा-पुस्तिकायां केवलं संस्कृतभाषासम्बद्धाः प्रश्नाः सन्ति। **यदि भाषा I उत वा भाषा II इत्येतयोः भवता संस्कृत-अतिरिक्ते भाषे चिते, तदा तद्भाषासम्बद्धा परीक्षा-पुस्तिका याचनीया। यस्याः अपि भाषायाः प्रश्नानाम् उत्तराणि भवता प्रदीयन्ते, सा भाषा नूनम् आवेदनपत्रे अभीष्टभाषाभिः सह संवदेत्।**
8. **परीक्षार्थिभिः भागः V (भाषा II) कृते, भाषातालिकातः सा भाषा चयनीया या तैः भाषा I (भागे IV) चितायाः अभीष्टभाषातः भिन्ना स्यात्।**
9. रफ कार्यं परीक्षा-पुस्तिकायां निर्धारितस्थाने एव कार्यम्।
10. सर्वाणि उत्तराणि OMR उत्तर-पत्रिकायामेव अङ्कनीयानि। सावधानमनसा चैतद् अङ्कनीयम्। उत्तरे परिवर्तनार्थं श्वेत-रञ्जकस्य प्रयोगो निषिद्धः।

परीक्षार्थिनः नाम : ______________________

अनुक्रमाङ्कः (अङ्केषु) : ______________________

(शब्देषु) : ______________________

परीक्षाकेन्द्रम् : ______________________

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरम् : ______________ निरीक्षकस्य हस्ताक्षरम् : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (**Part–IV**) प्रश्नानाम् (**प्र० सं० 91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (**Language—I**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–IV (Q. Nos. 91–120)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—I** only.

PART—IV / भागः —IV

LANGUAGE—I / भाषा—I
Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **चतुर्थभागस्य** (Part–IV) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **91–120**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं प्रथमभाषा** (Language—I)-रूपेण चितम्।

91. अधोलिखिते कथने पठ्येताम्—

कथनं (A) : प्रारम्भिकवर्षेषु भाषाधिगमे विलम्बेन छात्राः नवीनभाषाणां शिक्षणे काठिन्यम् अनुभवन्ति।

कारणम् (R) : छात्रस्य प्रारम्भिकवर्षाः भाषाधिग्रहणाय संवेदनशील-अवधिः भवति।

उपयुक्तं विकल्पं चिनुत—

(1) A एवं R द्वे सत्ये स्तः, R इति च A इत्यस्य सम्यक् व्याख्या न अस्ति
(2) A सत्यं न अस्ति, R सत्यम् अस्ति
(3) A सत्यम् अस्ति R सत्यं न अस्ति
(4) A एवं R द्वे सत्ये स्तः, R इति च A इत्यस्य सम्यक् व्याख्या अस्ति

92. बहुभाषिकताप्रसङ्गे आधारभूतस्तरार्थं (2022) राष्ट्रीयपाठ्यचर्यारूपरेखायाः प्रमुखसिद्धान्तेषु एकः अस्ति—
(1) छात्राः प्रारम्भिकवर्षेषु बहुमौखिकभाषाः शिक्षितुं समर्थाः न भवन्ति
(2) बहुभाषिकतायाः संज्ञानात्मकः (cognitive) सामाजिकः/सांस्कृतिकः च लाभः वर्तते
(3) स्वगृहभाषां विस्मृतीकरणे छात्राणां सहायतां कर्तव्या, विद्यालयस्य केन्द्रबिन्दुः (focus) च विद्यालयीयभाषाशिक्षणे भवेत्
(4) कक्षायां बहुभाषिकता प्रभाविपाठ्यक्रमसम्पादने बाधारूपेण वर्तते

93. कतिपयभाषासमुदायेषु भाषायाः द्वयोः भिन्नप्रकारयोः सहास्तित्वं वर्तते। प्रत्येकभाषायाः सामाजिकप्रकार्ये (social function) विशिष्टपरासः (distinct range) अस्ति। स्थितिरियं कथ्यते—
(1) प्रयुक्तिः (Register)
(2) द्विभाषारूपिता (Diglossia)
(3) उपभाषा (Dialect)
(4) कूट-सम्मिश्रणम् (Code-mixing)

94. छात्राः युग्मेषु कार्यं कुर्वन्ति। एकः पाठः द्वयोः भागयोः विभक्तः। एकः छात्रः स्वपाठिने पाठं पठति अन्यः छात्रः च तं लिखति। छात्रेभ्यः द्वौ छात्रौ समग्र-पाठं पूर्णं कुरुतः। अयं गतिविधिः कथ्यते—
(1) शब्द-जालम् (Word web)
(2) आंशिक-श्रुतलेखः (Partial dictation)
(3) कथावाचनम् (Storytelling)
(4) शृंखलित-श्रुतलेखः (Running dictation)

95. भाषाकक्षायां साहित्यिकपाठानां अध्यापनविषये अधोलिखितेषु किं कथनं सत्यं न अस्ति?
(1) साहित्यिकपाठाः भाषा-अधिगमे सांस्कृतिकनिविष्टयः (cultural inputs) भवन्ति
(2) साहित्यिकपाठैः आलोचनात्मक-विचारशीलतायाः चिन्तनस्य च विकासं भवति
(3) साहित्यिकपाठाः गुण-दोष-विवेचनाय (appreciation) आनन्दार्थं च भवन्ति
(4) साहित्यिकपाठाः व्याकरणाध्यापनाय प्रयोज्याः

96. षष्ठकक्षायाः छात्रः नवीनः पाठस्य पठने काठिन्यम् अनुभवति। अध्यापिका तस्मै पठितुं सरलतरं पाठं ददाति। सा तस्मै छात्राय सामूहिक-पठनसत्राणां आयोजनम् अपि करोति। अध्यापिकया प्रदत्ता सहायता किं कथ्यते?
(1) सोपाननिर्माणम् (Scaffolding)
(2) मस्तिष्कोद्वोलनम् (Brainstorming)
(3) परिचयात्मक-गतिविधिः/संकोचनिवारण-गतिविधिः (ice-breaking)
(4) पठनस्य सज्जीकरणम् (Reading readiness)

97. भाषायाः अध्ययन-अध्यापनविषये कः उपागमः स्वीकरोति यत् भाषा एका वृत्तिः (habit) अस्ति?

(1) सम्प्रेषणात्मकभाषाध्यापनम्
(2) नैसर्गिक-उपागमः (Natural approach)
(3) सहयोगात्मक-भाषापठनम्
(4) श्रव्यभाषिकतावादः (Audiolingualism)

98. एकः छात्रः अपठितानुच्छेदं पठति, तस्मात् च सः प्रश्नानां उत्तराणि दातुं अपेक्ष्यते। पठनस्य अयं प्रकारः अभिकथ्यते—

(1) व्यावर्तक-पठनम् (Exclusive reading)
(2) द्रुतपठनम् (Skimming)
(3) विस्तारक-पठनम् (Extensive reading)
(4) क्रमवीक्षणम् (Scanning)

99. अध्यापिका छात्रान् पञ्च चित्राणि दर्शयति। सा तेषु चित्रेषु आधारितां एकां कथां लिखितुं निर्दिशति।

एतत् _____ इत्यस्य उदाहरणम् अस्ति।

(1) खण्डित-श्रुतलेखः (Jigsaw dictation)
(2) सामूहिक-पठनम् (Shared reading)
(3) रचनात्मक-लेखनम् (Creative writing)
(4) प्रदर्शनं कथनम् च (Show and tell)

100. भाषायां प्रदर्शनाधारित-आकलनस्य अधोलिखितेषु का एका विशिष्टता अस्ति?

(1) वार्तालापरहितं प्रदर्शनम् (Non-interactive performance)
(2) असंदर्भिकृत-परीक्षाविषयाः (Decontextualized test items)
(3) संदर्भिकृत-सम्प्रेषणात्मककार्यम्
(4) बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः (Multiple-choice questions)

101. अधोलिखिते कथने पठ्येताम्—

A : पठनं केवलं वर्ण-ध्वनि-सम्बन्धं अधिगन्तुं वर्णान् च शुद्धरूपेण उच्चरितुं भवति।

B : पठनं अर्थग्रहणाय संकेतानां निष्कूटनम् (decoding) अस्ति।

उपयुक्तं विकल्पं चिनुत—

(1) A सत्यम् अस्ति परन्तु B सत्यं न अस्ति
(2) B सत्यम् अस्ति परन्तु A सत्यं न अस्ति
(3) द्वे A, B सत्ये न स्तः
(4) द्वे A, B सत्ये स्तः

102. एका अध्यापिका स्वछात्राणां श्रवणकौशलम् आकलयितुं इच्छति। श्रवणाकलनाय तया अधोलिखितेषु कः गतिविधिः चयनीयः?

(1) अध्यापिका एकां कथां कथयति, तदनन्तरं सा छात्रान् अवबोधारितान् प्रश्नान् पृच्छति
(2) अध्यापिका छात्रान् एकां कथां पठितुं निर्दिशति, तदनन्तरं च सा अवबोधारितान् प्रश्नान् पृच्छति
(3) अध्यापिका शब्दावलि-आधारितान् कार्यान् ददाति
(4) छात्रेभ्यः मौखिकप्रस्तुति-आधारित-वरीयताप्रदानम् (Rating the children on oral presentation)

103. _____ भाषायां अर्थपक्षैः सह सम्बद्धः अस्ति।

(1) अर्थविज्ञानम् (Semantics)
(2) वाक्यविज्ञानम् (Syntax)
(3) रूपविज्ञानम् (Morphology)
(4) स्वनिक् (Phonetics)

104. अधोलिखितेषु किं भाषाधिगमस्य सिद्धान्तः न अस्ति?

(1) छात्राः स्वरुच्यनुसारं अधिगमस्य उपागमप्रयोगे भिन्नाः भवेयुः
(2) भाषा सम्प्रेषणाय एकं साधनं अस्ति
(3) भाषा, संरचनानां/व्याकरणनियमानां कण्ठस्थीकरणेन अधिगम्यते
(4) भाषाधिगमे द्वे—कौशलनैपुण्यं ज्ञाननैपुण्यं च समाविष्टे स्तः

105. षष्ठ कक्षायाः अध्यापिका श्यामपट्टस्य केन्द्रभागे एकं शब्दं लिखति। सा छात्रान् तेषां संभाव्यशब्दानां विषये मस्तिष्कोद्वोलनं (Brainstorming) कर्तुं कथयति ये शब्दाः केन्द्रलिखितेन शब्देन सम्बद्धाः भवेयुः।

अस्य गतिविधेः मुख्यः उद्देश्यः अस्ति—

(1) छात्राणां शब्दावलि-संवर्धनम्
(2) व्याकरणस्य अवबोधः
(3) पठनकौशलवर्धनम्
(4) लेखनकौशलवर्धनम्

निर्देशः —अधोलिखितान् पद्यान् पठित्वा प्रश्नानां (**106–111**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत।

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्॥1॥

यं मातापितरौ क्लेशं सहेते सम्भवे नृणाम्।
न तस्य निष्कृतिः शक्या कर्तुं वर्षशतैरपि॥2॥

तयोर्नित्यं प्रियं कुर्यादाचार्यस्य च सर्वदा।
तेष्वेव त्रिषु तुष्टेषु तपः सर्वं समाप्यते॥3॥

सर्वं परवशं दुःखं सर्वमात्मवशं सुखम्।
एतद्विद्यात्समासेन लक्षणं सुखदुःखयोः॥4॥

यत्कर्म कुर्वतोऽस्य स्यात्परितोषोऽन्तरात्मनः।
तत्प्रयत्नेन कुर्वीत विपरीतं तु वर्जयेत्॥5॥

106. परितोषात्मकं कर्म करणार्थं जनैः किं कर्तव्यम्?

(1) उपहासः
(2) परिहारः
(3) प्रयत्नम्
(4) प्रमादः

107. अभिवादनशीलस्य किं न वर्धते?

(1) यशः
(2) धनम्
(3) विद्या
(4) आयुः

108. 'वर्षशतैरपि' इत्यस्य पदस्य सम्यक् सन्धिविच्छेदः कुरुत।

(1) वर्ष + शतैरपि
(2) वर्षश + तैरपि
(3) वर्षशतै + रपि
(4) वर्षशतैः + अपि

109. तेष्वेव त्रिषु तुष्टेषु सर्वं किं समाप्यते?

(1) दुःखम्
(2) वित्तम्
(3) आकर्षणम्
(4) तपः

110. 'निष्कृतिः' इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः वर्तते?

(1) णिनि
(2) क्तिन्
(3) तसिल्
(4) क्विप्

111. मातापितरौ नृणां सम्भवे किं सहेते?

(1) क्लेशम्
(2) घृणाम्
(3) स्वत्वम्
(4) प्रसन्नताम्

निर्देशः —अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (**112–120**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत।

पूर्वं दक्षिणप्रदेशे एकः त्यागराजः नामा विद्वान् आसीत्। तस्य पुत्री ज्ञानाम्बा अतीव बुद्धिमती आसीत्। तस्याः बुद्धिमत्वकारणात् एव तस्यैः वरः दुर्लभः आसीत्। कश्चिदपि ज्ञानेन तस्याः समतां न अकरोत्। एकदा तस्याः पित्रा त्यागराजेन पाश्र्वस्थग्रामस्य कश्चित्-पण्डितपुत्रः वररूपेण अन्विष्टः ज्ञानाम्बां च तस्य विषये असूचयत्। परन्तु ज्ञानाम्बा उक्तवती यत् अहं स्वयमेव तं द्रक्ष्यामि, प्रश्नं च प्रक्ष्यामि। ज्ञानाम्बायाः वाक्यं श्रुत्वा त्यागराजः चिन्तितोऽभवत्। तदा एकस्मिन् दिवसे सः वरस्य ग्रामं गत्वा तस्य पितरं ज्ञानाम्बायाः विचारम् अकथयत्। तस्य पिता ज्ञानाम्बायाः बुद्धिमत्वम् अजानत। यद्यपि सः स्वपुत्रस्य ज्ञानविषये आश्वस्तो न आसीत्, तथापि तेन ज्ञानाम्बायाः साक्षात्कारार्थं स्वीकृतिः प्रदत्ता।

अथ निश्चिते दिने सः पण्डितः स्वपुत्रेण सह त्यागराजकवेः गृहम् आगतः। प्रणामानन्तरं ज्ञानाम्बा स्वपितरम् अवदत् यत् उभौ एव भवन्तौ पृथक् कक्षे तिष्ठताम्। अहम् अत्र एव द्वित्रान् सरलप्रश्नान् प्रक्ष्यामि।

ज्ञानाम्बाकथनानुसारं त्यागराजः वरपितरं गृहीत्वा अन्यस्मिन् कक्षे अगच्छत्। ज्ञानाम्बा तं युवकं तस्य नाम अपृच्छत्। सः च 'बोधराजः' इति स्वनाम अवदत्। तदा ज्ञानाम्बा अपृच्छत्—अयि भोः व्याकरणं तु जानासि? तेन उक्तम्—आं जानामि। मम अयं प्रश्नः ''एकः बालकः विहस्य मातरं पृच्छति—अम्ब, मां विहाय कुत्र गच्छसि'' इति कृपया 'विहस्य विहाय' इति पदयोः व्याकरणपरिचयः दीयताम्। पण्डितसूनुः अवदत्—स्पष्टमेव अत्र क्रमशः षष्ठी च चतुर्थी च विभक्तिः दृश्यते।

ज्ञानाम्बया उक्तं बाढम्, तर्हि 'अहं कथम्' इति पदयोः तु द्वितीया-विभक्तिः भवेत्?

युवकः अवदत्—सत्यमुक्तं त्वया 'एवमेवास्ति।' ज्ञानाम्बया कथितम्—क्षणं तिष्ठतु भवान्, अहं किञ्चित् भोजनमानयामि। युवकोऽवदत्—नैव नैव, पित्रा सह गन्तव्यमस्ति।

अस्मिन्नन्तरे त्यागराजः बोधराजपित्रा सह आगतः। तदा त्यागराजेन पृष्टं जाते! तव प्रश्नानामुत्तराणि कथं दत्तानि? ज्ञानाम्बा स्मयमाना आसीत्। त्यागराजः कथितवान्—सम्यग् उत्तराणि दत्तानि, इति मन्ये। तदा ज्ञानाम्बा इमं श्लोकमवदत्—''यस्य षष्ठी चतुर्थी च, विहस्य विहाय च।''

अहं कथं द्वितीया स्यात्, द्वितीया स्याम् अहं कथम्॥

एतच्छ्रुत्वा त्यागराजः निराशः अभवत्। हस्तयोः शिरः गृहीत्वा निम्नमुखः उपाविशत्। सः चिन्तितः आसीत्—किं कर्त्तव्यं कोऽपि ज्ञानवान् युवकः न दृश्यते?

वस्तुतः विदुष्यः युवतयः समानं वरमिच्छन्ति।

112. ज्ञानाम्बायाः वाक्यं श्रुत्वा त्यागराजः ______ अभवत्।
उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) प्रसन्नः (2) क्रुद्धः
(3) खिन्नः (4) निराशः

113. पण्डितपुत्रस्य अनुसारं विहस्य विहाय च एतयोः पदयोः का विभक्तिः दृश्यते?

(1) तृतीया च सप्तमी च (2) षष्ठी च चतुर्थी च
(3) षष्ठी च प्रथमा च (4) पञ्चमी च द्वितीया च

114. अधोलिखितेषु किं पदं क्तवतुप्रत्ययान्तं अस्ति?

(1) गृहीत्वा (2) ज्ञानवान्
(3) कथितवान् (4) विहाय

115. वस्तुतः विदुष्यः युवतयः कीदृशं वरम् इच्छन्ति?

(1) समानम् (2) सुशीलम्
(3) बुद्धिहीनम् (4) दीर्घकायम्

116. ज्ञानविषये इत्यस्मिन् पदे कः समासः वर्तते?

(1) तत्पुरुषः (2) द्विगुः
(3) कर्मधारयः (4) अव्ययीभावः

117. 'स्वीकृतिः' अस्मिन् पदे कः प्रत्ययः अस्ति?

(1) घञ् (2) तुमुन्
(3) शानच् (4) क्तिन्

118. बोधराजस्य पिता ज्ञानाम्बायाः किं गुणं जानाति स्म?

(1) गृहकार्ये कुशलताम् (2) बुद्धिमत्वम्
(3) सुन्दरताम् (4) हास्यप्रियताम्

119. निश्चिते दिने सः पण्डितः केन सह त्यागराजस्य गृहं आगतः?

(1) स्वपुत्रेण (2) पशुभिः
(3) मित्रैः (4) स्वपरिवारेण

120. ''अहं किञ्चित् भोजनमानयामि''—एतत् कथनं कः कं कथयति?

(1) ज्ञानाम्बा ब्राह्मणम् (2) त्यागराजः ज्ञानाम्बाम्
(3) ज्ञानाम्बा बोधराजम् (4) ब्राह्मणः स्वपुत्रम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (**Part–V**) प्रश्नानाम् (**प्र० सं० 121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (**Language—II**)-रूपेण चितम्।

Candidates should attempt the questions from **Part–V (Q. Nos. 121–150)**, if they have opted **SANSKRIT** as **Language—II** only.

PART—V / भागः —V

LANGUAGE—II / भाषा—II
Sanskrit / संस्कृतम्

अभ्यर्थिनः **पञ्चमभागस्य** (Part–V) प्रश्नानाम् (प्र० सं० **121–150**) उत्तराणि दद्युः, यदि तैः **संस्कृतं द्वितीयभाषा** (Language—II)-रूपेण चितम्।

121. द्वादश-अष्टादश-मासपर्यन्तं बालकाः विविधम् अभिज्ञेयम्, एकशब्दयुक्तोच्चारणम् उत्पादयितुं प्रारभन्ते। अयं कालः, यस्मिन् दैनिकवस्तुभ्यः एकः शब्दः प्रयुज्यते, कथ्यते—

(1) तार-संभाषणम् (Telegraphic speech)

(2) बहुसंश्लेषणात्मक स्तरः (Holophrastic stage)

(3) त्रुटितवाक् (Babbling)

(4) अव्यक्तवाक् (Cooing)

122. अधोलिखिते कथने पठ्येताम्—

A : पठनावबोधेन, पठनसामर्थ्येन च लेखनयोग्यता प्रभाविता भवति।

B : पठनं लेखनं च पृथक् पृथक् प्रक्रिये स्तः। एते स्वतन्त्ररूपेण विकसतः।

उपयुक्तं विकल्पं चिनुत—

(1) A सत्यम् अस्ति B च असत्यम् अस्ति

(2) A, B द्वे असत्ये स्तः

(3) A असत्यम् अस्ति, B च सत्यम् अस्ति

(4) A, B द्वे सत्ये स्तः

123. सर्वासां भाषाणां कतिपयाः निश्चितसामान्यविशेषताः भवन्ति, ताः कथ्यन्ते—

(1) भाषायाः सामान्यसिद्धान्ताः (Language universals)

(2) प्रयुक्तिः (Register)

(3) उपभाषा (Dialect)

(4) द्विभाषारूपिता (Diglossia)

124. कक्षायां भाषिकवैविध्यं स्वीकरणेन किं भविष्यति?

(1) छात्राणाम् आत्मविश्वासस्य ह्रासः येन तेषां कल्पनाशीलतायां रचनात्मकतायां च न्यूनता भवति

(2) भाषाधिगमे कश्चित् प्रभावो न वर्तते

(3) छात्राणाम् आत्मविश्वासस्य वर्धनं, येन तेषां कल्पनाशीलतायाः रचनात्मकतायाः च वर्धनं भवति

(4) भाषाप्रवाहशीलतायाः अधिग्रहणे बाधा

125. उदीयमानसाक्षरतायाः भागरूपेण अधोलिखितेषु का मुद्रणबोधस्य (print awareness) एका विशेषता न वर्तते?

(1) वर्णानां शब्दानां च मध्ये भेदाभिज्ञानम्

(2) पठनं वाम-दक्षिणरीत्या शीर्ष-निम्नरीत्या च क्रियते

(3) पूर्णवाक्यानां पठनस्य आरम्भः

(4) एकस्य पुस्तकस्य संधारणम् (Handling a book)

126. आधारभूतस्तरे पठनकौशलस्य अधिगम-परिणामाः अधोदत्ताः —

A. उपयुक्त-अनुतानं—विरतिः —बलाघातपरिवर्तनम् इत्यादिभिः युक्तं लघुगद्यांशं विशुद्धरूपेण प्रवाहशीलतया च पठति

B. ज्ञातशब्दयुक्तान् कतिपयान् वाक्यान् विशुद्धरूपेण पठति

C. उपयुक्त-अनुतानेन (intonation) विरतिभिः (pauses) युक्तान् लघुगद्यांशान् पठति

उपरिलिखितान् वाक्यान् आरोही-क्रमे संयोजयत।

(1) B, C, A

(2) A, C, B

(3) C, A, B

(4) A, B, C

127. अधोलिखितेषु कः विस्तारकपठनस्य (extensive reading) भागः न अस्ति?

(1) प्रमुखविचारार्थं श्रवणम्

(2) अनुमानकरणम् (Inferences)

(3) विशिष्टतथ्यार्थं सूचनार्थं च श्रवणम्

(4) सारांशकृते श्रवणम् (Listening for the gist)

128. अधोलिखितेषु कार्येषु पठनकौशलस्य आकलनार्थं किं प्रयोक्तुं न शक्यते?

(1) पठितपाठाधारिताः बहुविकल्पात्मकप्रश्नाः

(2) चित्रसंकेतितशब्दस्य अभिज्ञानम्

(3) अध्यापिकया कथावाचनसत्रम्

(4) उच्चस्वरेण पठनम्

129. अधोलिखितेषु केन कथनेन शृंखलित-श्रुतलेखः (running dictation) सम्यक्तया परिभाष्यते?

(1) छात्राः युग्मेषु कार्यं कुर्वन्ति। एकः पाठः द्वयोः भागयोः विभक्तः। एकः छात्रः सहभागिने पाठं पठति यम् अन्यः छात्रः लिखति। छात्रेषु द्वौ छात्रौ समग्रपाठं पूर्णं कुरुतः।

(2) छात्राः युग्मेषु कार्यं कुर्वन्ति। धाविछात्रः (runner) पाठं प्रति अनुगच्छति, तं सहभागिनं च कथयति। तदा सहभागी पाठं लिखति।

(3) अध्यापिका कक्षायां शब्दस्य/पाठस्य वाचनं करोति छात्राः तं लिखन्ति च।

(4) छात्राः पाठस्य विविधान् अंशान् शृण्वन्ति पठन्ति वा। अनन्तरं ते कार्यं पूर्णीकर्तुं अन्यैः सह सूचनायाः आदान-प्रदानं कुर्वन्ति।

130. एकः बालकः भाषाधिग्रहणे अन्तर्जातसामर्थ्येन सह उत्पन्नः भवति। भाषाधिग्रहणविषये अयं विचारः केन समर्थितः?

(1) संज्ञानवादी (Cognitivist)

(2) सामाजिक-अन्तर्क्रियावादी (Social-interactionist)

(3) व्यवहारवादी (Behaviourist)

(4) देशीयतावादी (Nativist)

131. प्रक्रियालेखन-उपागमे (approach) लेखनप्रक्रियायाः तत्त्वं यस्य अन्तर्गते लेखकः औपचारिकरूपेण स्वकार्यं बृहत्श्रोतागणस्य समक्षं प्रस्तौति—

(1) प्रकाशनम् (Publishing)

(2) सम्पादनम् (Editing)

(3) संशोधनम् (Revising)

(4) प्रारूपणम् (Drafting)

132. एके पाठे कठिनशब्दान् प्रयोक्तुम्, एका भाषाध्यापिका प्रथमं शब्दान् मातृभाषायां परिवर्तयति। तदा छात्रान् तान् शब्दान् कण्ठस्थीकर्तुं निर्दिशति। तया कस्य प्रयोगः क्रियते?

(1) प्रत्यक्षपद्धतिः (Direct method)
(2) संरचनात्मक-उपागमः
(3) सम्प्रेषणात्मक उपागमः
(4) व्याकरणानुवादपद्धतिः

133. एकः छात्रः कस्यापि सहायता विना एकं कार्यं कर्तुं शक्नोति, अपि च ते प्रौढानां, सक्षमतरसहपाठिनां वा साहाय्येन एकं कार्यं कर्तुं शक्नुवन्ति—एतयोः द्वयोः मध्ये आगतं अन्तरालं किं कथ्यते?

(1) समीपस्थविकासस्य क्षेत्रम् (Zone of proximal development)
(2) उपलब्धि-क्षेत्रम्
(3) अन्तरित-अधिगमः (Distance learning)
(4) प्रौढता-स्तरः (Level of maturity)

134. स्थानीयमस्तिष्कक्षतिकारणेन भूयमाना भाषाक्रियायाम् एका विकृतिः येन अवबोधने, भाषिकरूपाणां रचनायां च/वा काठिन्यम् अनुभूयते, कथ्यते—

(1) डिस्लेक्सिया
(2) डिस्कैलकुलिया
(3) डिसर्थ्रिया
(4) ऐफेसिया

135. एका प्रक्रिया, यया भाषा एकस्मात् वंशात् (generation) अन्यं वंशं प्राप्नोति, कथ्यते—

(1) उत्पादकता
(2) यादृच्छिकता (Arbitrariness)
(3) विस्थापनम् (Displacement)
(4) सांस्कृतिक-सञ्चरणम्

निर्देशः—अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (**136–142**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत।

कस्मिंश्चित् वृक्षे कश्चित् काकः निवसति। एकदा सः तृषार्तः भवति। सः जलार्थं यत्र-तत्र अटति। किन्तु कुत्रापि जलं न लभते सः। तृषाव्याकुलः सः पुनश्च जलम् अन्वेष्टुं गच्छति। सः कमपि लघुघटं पश्यति। तस्मिन् घटे अल्पं जलमस्ति। काकः चतुरः अस्ति। सः पाषाणखण्डान् आनीय घटे निक्षिपति। यदा घटः पाषाणैः पूर्णः तदा जलम् उपरि आगच्छति। काकः जलं पिबति। तदा कश्चित् हंसः एतद् सर्वम् अवलोकयति। सः आश्चर्येण तं काकं पृच्छति। भो मित्र, त्वम् एतावान् तृषार्तः तथापि किमर्थम् अर्धमेव जलं पीतवान् तव तृष्णा अपि शान्ता? काकः ईषद् हसति वदति च—रे वयस्य, भाग्यवान् असि त्वं यतो हि सरसि निवसति। नास्ति तत्र जलस्य अभावः अतः एव भवान् जलस्य महत्त्वं न जानाति। जलं विना अस्माकं जीवनम् अशक्यम्। हंसः वदति, ''जानामि अहम्। अतएव 'जलं जीवनम्' इति उच्यते। जलं देवतारूपेण पूज्यते।'' काकः वदति, ''एतद् जलम् ईश्वरस्य महत् वरदानम्। किन्तु सीमितं, परिमितं वरदानम्। नूनं राष्ट्रिया सम्पत्तिः एषा। तस्याः रक्षणम् अस्माभिः करणीयम्। अतः अहम् अर्धं जलं पीत्वा अर्धं त्यक्तवान् मत्सदृशः अन्यः कोऽपि तृषार्तः तद् जलं पिबतु इत्येव मम विचारः।''

हंसः भणति—''भो मित्र, धन्योऽसि त्वम्। तव वर्णः कृष्णः किन्तु मनः धवलम्। सत्यं तव वचनम्। अस्माभिः सर्वैः जलस्य माहात्म्यम् अवगन्तव्यं न तस्य अतिव्ययः विनाशः वा करणीयः। अहं सर्वान् वयस्यान् जलस्य महत्त्वं कथयिष्यामि।

जलं नाम महद्रत्नं भूमौ देवेन निर्मितम्।
रक्षेत् प्रदूषणनाशात् तत्संवर्धयेत् मतिमान्नरः॥''

अर्थात् ईश्वरेण अस्यां भूमौ जलनाम निधिः रचितः। अस्य संरक्षणं संवर्धनं च अस्मभ्यं पर कर्तव्यं अस्ति।

136. जलं ईश्वरस्य महत् वरदानं, नूनं _____ सम्पत्तिः एषा।

उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) स्वकीया
(2) राष्ट्रिया
(3) शासकीया
(4) स्थानीया

137. गद्यानुसारं कस्य वर्णः कृष्णः, किन्तु मनः धवलं अस्ति?

(1) पिकस्य
(2) कृष्णस्य
(3) सर्पस्य
(4) काकस्य

138. अधोलिखितेषु पदेषु किं अव्ययपदं न अस्ति?

(1) कुत्र
(2) अपि
(3) तदा
(4) तस्यै

139. अस्माभिः सर्वैः जलस्य किं न कर्तव्यम्?

(1) संवर्धनम्
(2) अतिव्ययः
(3) संरक्षणम्
(4) प्रदूषणात् रक्षणम्

140. यद्यपि 'जलमेव जीवनम्' इति उच्यते, तथापि केचन जनाः अस्य किं न जानन्ति?

(1) वर्णम्
(2) स्वादम्
(3) महत्त्वम्
(4) गन्धम्

141. ''किमर्थं अर्धमेव जलं पीतवान्'' इति एनं प्रश्नं कः कं पृच्छति?

(1) काकः जलम्
(2) मित्रः जलम्
(3) हंस काकम्
(4) जलं हंसम्

142. 'अवगन्तव्यम्' इत्यस्मिन् पदे कः प्रत्ययः प्रयुक्तः?

(1) तव्यत्
(2) यत्
(3) ष्यञ्
(4) ण्यत्

निर्देशः —अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानां (**143–150**) विकल्पात्मकोत्तरेभ्यः उचिततमम् उत्तरं चिनुत।

अस्मिन् भौतिकवादियुगे मानवाः भौतिकम् उन्नतिं कर्तुम् उद्यताः सन्ति। विज्ञानबलेन ते ईश्वरम् अपि जेतुम् इच्छन्ति, किन्तु तथापि न अस्ति शान्तिः कुत्रचित्। एकः एकस्य स्वार्थ-हननं करोति, एकस्य उन्नतिम्, अन्यः न सहते। सर्वत्र चिन्ता विपन्नता कलहश्च लक्ष्यते। धर्ममूलकभावनायाः अभावः एव अस्य मूलकारणम् अस्मिन् युगे परलोकस्य चर्चा अपि मूर्खता कथ्यते। मा भवतु परलोकः। नास्ति कश्चित् लोकः किन्तु मनुष्यजीवनस्य यत् कीर्तिक्षेत्रं तदेव परलोकः अस्ति। तस्य मरणानन्तरं तस्य सत्कार्यदुष्कार्याणां ध्यानं कृत्वा जगत् तस्य स्तुतिं निन्दां यत् करोति तदेव परलोकः अस्ति। तस्य नाम चिरस्मरणीयं विस्मरणीयम् वा भवति तदेव परलोकः अस्ति। तस्मात् कारणात् सद्भावना सत्कर्म च अपेक्ष्यते। तदेव धर्मः।

रक्षितः धर्मः रक्षां करोति। ब्राह्मे मुहूर्ते उत्थातव्यम् इति धर्मः, तस्य रक्षया स्वास्थ्यलाभः भवति। प्रातः स्नानं कृत्वा ईश्वरस्य चिन्तनं कर्तव्यम् इति धर्मः, तस्य पालनेन मनः विमलं भवति। गुरोः शुश्रूषया विद्या भवति इति धर्मः, तस्य पालनेन विद्यायाः लाभः भवति। छात्राणाम् अध्ययनं तपः इति धर्म, तस्य पालनेन लोकः विद्वान् भवति। अतः रक्षितः धर्मः रक्षां करोति।

प्राणान् त्यक्तत्वा अपि धर्मस्य रक्षा कर्तव्या। यः धर्मम् आचरति, विपत्तौ अपि च धर्मं न त्यजति, धर्मः तं संततं रक्षति। यः च धर्मस्य आचरणं न करोति, न च तं रक्षति, धर्मः तं नाशयति। अतः धर्मः न हातव्यः न च हन्तव्यः अपितु सततं रक्षितव्यः इदम् एव तथ्यं प्रकाशयता भगवता मनुना भणितम्—

धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः।
तस्माद् धर्मो न हन्तव्यः मा नो धर्मो हतोऽवधीत्॥

संसारे सः देशः सा जातिः ते च जनाः एव जीवन्ति येषां धर्मः जीवितः अस्ति। धर्ममार्गे बहूनि कष्टानि समापतन्ति, किन्तु तानि सर्वाणि सहमानः यः धर्मात् न विचलति, सफलता तस्य एव चरण-चुम्बनं विदधाति। इतिहासः साक्षी अस्ति यत् सर्वदा सर्वत्र धर्मस्य एव विजयः भवति। किम् अधिकं रामस्य, कृष्णस्य, पाण्डवानाम् अन्येषां च धर्मयुद्धरतानां विजयः वस्तुतः धर्मस्य एव विजयः अस्ति।

धर्मः मानवस्य सार्वकालिकम् मित्रम् अस्ति। सुखे-दुःखे, सम्पत्तौ-विपत्तौ, जीवने-मरणे, लोके-परलोके च धर्मः एव परमसहायकः अस्ति। धनानि, पशवः, गृहाणि, शकटानि, नार्यः पुत्राः सखायः अन्ये च सर्वे बान्धवाः सम्बन्धिनः च मरणोत्तरं मानवस्य साहाय्यं त्यजन्ति किन्तु एकः धर्मः एव परलोके अपि तम् अनुगच्छति।

143. मनुष्यजीवनस्य यत् _____ तदेव परलोकः अस्ति।

उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) सङ्गीतज्ञानम् (2) कीर्तिक्षेत्रम्

(3) भैषजविद्या (4) विद्यानैपुण्यम्

144. अस्मिन् भौतिकतावादियुगे सर्वत्र किं न लक्ष्यते?

(1) चिन्ता (2) विपन्नता

(3) कलहः (4) शान्तिः

145. सफलता कस्य जनस्य चरण-चुम्बनं विदधाति?

(1) यः धर्मात् न विचलति (2) यः नित्यरूपेण व्यायामं करोति

(3) यः स्वगुरूणां प्रशंसां करोति (4) यः सर्वदा प्रातःकाले उत्तिष्ठति

146. निम्नलिखितेषु पदेषु किं पदं ल्युट्प्रत्ययान्तं न अस्ति?

(1) चिन्तनम् (2) हननम्

(3) आचरणम् (4) कृष्णम्

147. मरणोत्तरं के परलोके अपि मानवं अनुगच्छन्ति?

(1) पशवः (2) सम्बन्धिनः

(3) धर्मः (4) शकटानि

148. मानवाः केन उपायेन ईश्वरं जेतुं प्रयतन्ते?

(1) वित्तप्रयोगेन (2) विज्ञानबलेन

(3) शारीरिकशक्त्या (4) प्रार्थनाभिः

149. जनैः धर्मस्य रक्षा कान् अपि त्यक्त्वा कर्तव्या?

(1) प्राणान् (2) भोजनम्

(3) नैतिकमूल्यान् (4) गृहान्

150. धर्मः कुत्र मानवस्य परमसहायकः न भवति?

(1) सम्पत्तौ (2) परलोके

(3) पापकर्मसु (4) दुःखे

SPACE FOR ROUGH WORK

⋆ ⋆ ⋆

अवधानपूर्वकम् एते निर्देशाः मनसि धारणीया—

1. विभिन्नप्रश्नानाम् उत्तरं कथं प्रदेयमिति प्रश्नपत्रे व्याख्यातम् अस्ति। प्रश्नानाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं तत् अवश्यं पठनीयम्।
2. प्रत्येकं प्रश्नार्थं चत्वारि वैकल्पिकोत्तराणि निर्दिष्टानि, तेषु समुचितोत्तरप्रदानार्थं ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायाः पृष्ठे-2 **केवलम् एकमेव वृत्तं पूर्णरूपेण कृष्ण/नील-बाल-पाइन्ट-लेखन्याः** प्रपूरणीयम्। एकवारम् उत्तराङ्कनान्तरं न तत्परिवर्तयितुं शक्यते।
3. परीक्षार्थिभिः उत्तर-पत्रं नैव तिर्यक्करणीयम्, न च कथंकारमपि तद् अन्यथाप्रकारेण अङ्कनीयम्। परीक्षार्थी स्वीयानुक्रमाङ्कम् उत्तर-पत्रे निर्धारितस्थानातिरिक्तम् अन्यत्र कुत्रापि न लिखेत्।
4. परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च प्रयोगः सावधानं करणीयः। कस्यामपि परिस्थितौ (केवलं तां परिस्थितिं विहाय यदा परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य च सङ्केतके सङ्ख्यायां वा भिन्नता दृश्यते) द्वितीय-परीक्षा-पुस्तिका नोपलभ्या एव।
5. परीक्षा-पुस्तिकायाम् उत्तर-पत्रे च प्रदत्त-सङ्केतक-सङ्ख्या परीक्षार्थिभिः उपस्थितिपत्रके सम्यक्रीत्या अवश्यमेव लेखनीया।
6. ओ० एम० आर० (OMR) उत्तर-पत्रिकायां कूटस्थ (Coded) सूचनानां पठनं यन्त्रद्वारा भविष्यति। अतः कापि सूचना असम्पूर्णा न स्यात्। तथैव प्रवेशपत्रस्य सूचनातः भिन्ना सूचना न प्रदेया।
7. प्रवेशपत्रं विहाय अन्य-मुद्रित-लिखित-पाठ्यसामग्री कर्गदचिटिकां 'पेजरम्' इति चलदूरभाषां, विद्युत्-उपकरणानि अथवा कामपि अन्यसामग्रीं परीक्षाभवनं कक्षं वा नेतुम् अनुमतिः न अस्ति।
8. परीक्षा गृहे/प्रकोष्ठे मोबाइलयन्त्रं वेतारसूचनायन्त्रं (स्वीच आफ कृत्वा अपि) अन्यानि च प्रतिबन्धितवस्तूनि नैव आनेतव्यानि। एतस्य नियमस्य उल्लङ्घनम् अनुचितमार्गावलम्बनम् इति विधास्यते यस्य कृते दण्डस्य विधानम् अस्ति। परीक्षातः निष्कासनम् अपि भवितुम् अर्हति।
9. निरीक्षणसमये परीक्षार्थिभिः प्रवेशपत्रं निरीक्षकाय अवश्यं दर्शनीयम्।
10. केन्द्र अधीक्षकस्य निरीक्षकस्य वा अनुमतिं विना परीक्षार्थिभिः स्थानं न परित्यक्तव्यम्।
11. कार्यरतनिरीक्षकाय उत्तर-पत्रं दत्त्वा उपस्थितिपत्रके च हस्ताक्षरं पुनः कृत्वा एव परीक्षार्थिभिः परीक्षाभवन-कक्षं वा परित्यक्तव्यं न अन्यथा। यदि केनापि परीक्षार्थिना उपस्थितिपत्रिकायां पुनः हस्ताक्षरं न क्रियते तर्हि 'परीक्षार्थिना उत्तर-पत्रं न दत्तम्' इति अभिप्रायः। इदम् अनुचितसाधनानां प्रयोगस्य रूपम् इति मन्तव्यम्।
12. वैद्युत-हस्तचालित-परिकलकस्य उपयोगः सर्वथा वर्जितः।
13. परीक्षाभवने कक्षे वा अनुकूलाचरणाय परीक्षार्थिनः सङ्घटनस्य सर्वैः नियमैः विनियमैः वा नियमिताः। अनुचितसाधनानाम् उपयोगेन सम्बद्धाः निर्णयाः सङ्घटनस्य नियम-विनियम-अनुवर्तनीयाः एव।
14. कस्यामपि परिस्थितौ परीक्षा-पुस्तिकायाः उत्तर-पत्रस्य वा कोऽपि भागः पृथक् न करणीयः।
15. **परीक्षासम्पन्नानन्तरं परीक्षार्थिनः परीक्षाभवन-परित्यजनात् पूर्वं उत्तर-पत्रं कक्षनिरीक्षकाय अवश्यमेव प्रदास्यन्ति। परीक्षार्थिनः इमां परीक्षा-पुस्तिकां नेतुम् अनुमताः।**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें :

1. जिस प्रकार से विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने हैं उसका वर्णन परीक्षा पुस्तिका में किया गया है, जिसे आप प्रश्नों का उत्तर देने से पहले ध्यान से पढ़ लें।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर-पत्र के **पृष्ठ-2** पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह **नीले/काले बॉलपॉइंट पेन** से भरें। एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है।
3. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर-पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ। परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर-पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें।
4. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर-पत्र के कोड या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी।
5. परीक्षा पुस्तिका/उत्तर-पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका कोड व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से उपस्थिति-पत्र में लिखें।
6. OMR उत्तर-पत्र में कोडित जानकारी को एक मशीन पढ़ेगी। इसलिए कोई भी सूचना अधूरी न छोड़ें और यह प्रवेश-पत्र में दी गई सूचना से भिन्न नहीं होनी चाहिए।
7. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश-पत्र के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य-सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है।
8. मोबाइल फोन, बेतार संचार युक्तियाँ (स्विच्ड ऑफ अवस्था में भी) और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएँ परीक्षा हॉल/कक्ष में नहीं लाई जानी चाहिए। इस सूचना का पालन न होने पर इसे परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग माना जाएगा और परीक्षार्थी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी, परीक्षा रद्द करने सहित।
9. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-पत्र दिखाएँ।
10. केन्द्र अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें।
11. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर-पत्र दिए बिना एवं उपस्थिति-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल/कक्ष नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार उपस्थिति-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए, तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर-पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा। **परीक्षार्थी अपने बाएँ हाथ के अँगूठे का निशान उपस्थिति-पत्र में दिए गए स्थान पर अवश्य लगाएँ।**
12. इलेक्ट्रॉनिक/हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है।
13. परीक्षा हॉल/कक्ष में आचरण के लिए परीक्षार्थी परीक्षण संस्था के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं। अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला परीक्षण संस्था के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा।
14. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर-पत्र का कोई भाग अलग न करें।
15. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी हॉल/कक्ष छोड़ने से पूर्व उत्तर-पत्र निरीक्षक को अवश्य सौंप दें।** ***परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं।***

READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY :

1. The manner in which the different questions are to be answered has been explained in the Test Booklet which you should read carefully before actually answering the questions.
2. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with **Blue/Black Ballpoint Pen** on **Side-2** of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
3. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
4. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
5. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet/Answer Sheet in the Attendance Sheet.
6. A machine will read the coded information in the OMR Answer Sheet. Hence, no information should be left incomplete and it should not be different from the information given in the Admit Card.
7. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the Examination Hall/Room.
8. Mobile phones, wireless communication devices (even in switched off mode) and the other banned items should not be brought in the Examination Hall/Room. Failing to comply with this instruction, it will be considered as using unfair means in the examination and action will be taken against the candidate including cancellation of examination.
9. Each candidate must show on demand his/her Admit Card to the Invigilator.
10. No candidate, without special permission of the Centre Superintendent or Invigilator, should leave his/her seat.
11. The candidates should not leave the Examination Hall/Room without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case. **The candidates are also required to put their left hand THUMB impression in the space provided in the Attendance Sheet.**
12. Use of Electronic/Manual Calculator is prohibited.
13. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Examining Body with regard to their conduct in the Examination Hall/Room. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Examining Body.
14. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
15. **On completion of the test, before leaving the Hall/Room, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Hall/Room.** ***The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***